Tc.No. : GUJHIN00722

दैनिक
क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्षः 1 अंकः 15 , बुधवार, 07 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

मेरा धरना एक और केजरीवाल नहीं बनाएगा : अन्ना

नई दिल्ली। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि केंद्र के खिलाफ उनके तय धरने से ''एक और केजरीवाल' नहीं बनेगा। वह एक समय अपने पर आश्रित रहे अरविंद केजरीवाल के संदर्भ में बोल रहे थे जो बाद में दिल्ली के मुख्यमंत्री बने। भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाने वाले अन्ना ने कहा कि वह मार्च में प्रस्तावित अपने आंदोलन में शामिल होने वालों से हलफनामा लेंगे कि वे बाद में राजनीति में शामिल नहीं होंगे। हजारे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी उनके 2014 के आम चुनावों में किए गए ''अच्छे दिन' के वादे के लिए निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल की नियुक्ति करने के बजाए केंद्र ऐसे संशोधन लेकर आया जिससे लोकपाल अधिनियम कमजोर हुआ। एक कार्यक्रम से इतर उन्होंने कहा, ''नहीं, अब मेरे धरने से दूसरा केजरीवाल पैदा नहीं होगा। मैं समर्थन कर रहे लोगों से हलफनामा ले रहा हूं कि वे राजनीति में शामिल नहीं होंगे।' वे यहां एसआरसीसी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित एक व्यापार सम्मेलन में टुवार्डस करप्शन प्री इंडिया विषय पर संबोधन कर रहे थे।

कासगंज हिंसाः चंदन की हत्या का आरोपी सलमान गिरफ्तार

कासगंज। गणतंत्र दिवस के दिन से शुरू हुए कासगंज दंगे और दंगे के दौरान गोली से मृत चंदन गुप्ता केस के एक और आरोपी को पुलिस ने दबिश देकर दबोच लिया। पुलिस ने मंगलवार को शहर के किसरोली रोड से आरोपी सलमान को तमंचा और कारतूस समेत पकड़ा है। पुलिस अन्य आरोपियों को तलाश करने में जुटी है। कई दिनों से पुलिस जगह-जगह आरोपियों की तलाश में दबिशें देने में लगी है। दंगे में भूमिका निभाने वाले आरोपियों के अलावा चंदन की हत्या के आरोपियों की भी तलाश की जा रही है। मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि दंगे के साथ ही चंदन की हत्या का आरोपी सलमान पुत्र चमन निवासी मोहल्ला नवाब कहीं भागने की फिराक में है। पुलिस ने दबिश देकर सलमान को गिरफ्तार कर लिया। उसकी तलाशी लेने पर पुलिस ने सलमान के कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद कर लिया है। पुलिस ने न्यायालय में पेश कर सलमान को जेल भेजने की कार्यवाही की है। इसके अलावा पुलिस को अभी नसीम और वसीम सहित अन्य आरोपियों की तलाश है। एसपी पीयूष श्रीवास्तव की ओर से कहा गया है, शेष आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे।

जैन जेल गए तो केजरीवाल का भी नंबर आएगा : कपिल

नई दिल्ली। 17 फरवरी तक जैन ने इस्तीफा नहीं दिया तो कपिल करेंगे सत्याग्रह आम आदमी पार्टी के बागी विधायक और पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि पूरी आम आदमी पार्टी सत्येंद्र जैन को बचा रही है, क्योंकि वे जेल गए, तो केजरीवाल का भी नम्बर आ सकता है। केजरीवाल डरे हुए हैं और इसलिए पूरी पार्टी को कहा है कि सत्येंद्र जैन को बचाओ। मिश्रा सोमवार को अपनी पत्नी के साथ राजघाट पहुंचे। यहां उन्होंने सत्येंद्र जैन के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी दी। कपिल ने कहा कि 7 मई 2017 को उन्होंने राजघाट से ही सत्येंद्र जैन और केजरीवाल के विरु द्ध लड़ाई शुरू की थी, उसे अब जाकर थोड़ा बल मिला है। जब सीबीआई को एक छापे में कथित तौर से जैन और उनकी कंपनी से जुड़ी संपत्ति के दस्तावेज, 2 करोड़ रु पए के बैंक डिपॉजिट की स्लिप बरामद हुई। मिश्रा ने दावा किया कि रिश्वत के 10 लाख रु पए सत्येंद्र जैन को मिलने थे। कुल 1 करोड़ रपए मांगे गए थे। सीबीआई ने उन्हें नोटों के साथ रंगे हाथ पकड़ा है। कपिल ने कहा कि यदि 14 फरवरी तक स्वास्य मंत्री अपने पद से इस्तीफा नहीं देते, तो उनकी विधानसभा शकूरबस्ती से आंदोलन की शुरु आत करेंगे। मिश्रा ने सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर मोर्चा खोल दिया था और सरकार से अलग हो गए थे। मिश्रा ने अलग होने के साथ सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे और भूख हड़ताल की थी।

गौ मांस के सेवन को गैर कानूनी ठहराने वाले कानून का आप सरकार ने किया बचाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप सरकार ने सोमवार को उच्च न्यायालय में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गौ मांस रखने और उसका सेवन करने को अपराध करार देने वाले कानून का बचाव किया तथा

कहा कि गायों एवं अन्य दुधारू पशुओं तथा भार ढोने वाले पशुओं को वध से बचाना संविधान के तहत राज्य का दायित्व है।

उद्यानोत्सव

नई दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित उद्यान उत्सव का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती सविता कोविंद के साथ मुगल गार्डन का जायजा लिया। इस महोत्सव के तहत अब मंगलवार छह फरवरी से नौ मार्च तक आम लोग राष्ट्रपति भवन स्थित मुगल गार्डन की सैर कर सकेंगे।

आपका आधार कार्ड प्लास्टिक का या लेमिनेटेड है,तो हो जाइये सावधान!

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने मंगलवार को जनता को आगाह किया कि, वह प्लास्टिक वाले या लेमिनेटेड आधार स्मार्ट कार्ड के चक्कर में नहीं पड़े। क्योंकि इनकी अनाधिकृत छपाई से क्यूआर कोड काम करना बंद कर सकता है या उनकी सहमति के बिना ही व्यक्तिगत जानकारी सार्वजनिक हो सकती है। प्राधिकरण का कहना है कि आधार पत्र या इसका कटा हुआ भाग, सामान्य कागज पर आधार का इंटरनेट से निकाला गया संस्करण या एम आधार पूरी तरह वैध है।

प्राधिकरण का कहना है कि आधार स्मार्ट कार्ड की अनाधिकृत छपाई से उपयोक्ता को 50 से 300 रुपये की लागत आएगी जो कि पूरी अनावश्यक है। प्राधिकरण ने एक बयान में कहा है, 'प्लास्टिक या पीवीसी आधार स्मार्ट कार्ड का आमतौर पर क्यूआर कोड के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। क्योंकि अनाधिकृत छपाई के दौरान यह कोड काम करना बंद कर देता है। इसके अनुसार इसके साथ ही इस प्रक्रिया में उपयेक्ता की

व्यक्तिगत जानकारी उसकी मंजूरी के बिना ही सार्वजनिक की जा सकती है। यूएडीएआई के सीईओ अजय भूषण पांडे ने कहा कि प्लास्टिक स्मार्ट कार्ड पूरी तरह अनावश्यक व बर्बादी है क्योंकि डाउनलोड कर सामान्य कागज पर प्रकाशित आधार कार्ड या 'एम आधार पूरी तरह वैध है।

आधार कार्ड को लेमिनेट क्यों करवाते हैं लोग

सरकार ने सभी कल्याणकारी योजनाओं के लिए आधार कार्ड को लिंक करना आवश्यक कर दिया है और यह भारतीय व्यक्ति की यूनिक आईडेंटीटी है। लोग इसे ज्यादा समय तक सुरक्षित रखने के लिए

प्राधिकरण का कहना है कि आधार स्मार्ट कार्ड की अनाधिकृत छपाई से उपयोक्ता को 50 से 300 रुपये की लागत आएगी जो कि पूरी अनावश्यक है। प्राधिकरण ने एक बयान में कहा है, 'प्लास्टिक या पीवीसी आधार स्मार्ट कार्ड का आमतौर पर क्यूआर कोड के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

लेमिनेट करवा लेते हैं या प्लास्टिक वाला आधार कार्ड इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ऐसा करना आपके आधार कार्ड को सुरक्षित करने की जगह असुरक्षित कर सकता है और आपकी जानकारी को खतरे में डाल सकता है।

बिहारः पहले दिन ही नकल करने के आरोप में 97 छात्र निष्कासित

पटना। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की इंटरमीडिएट की परीक्षा मंगलवार से शुरू हुई। राज्यभर में पहले दिन परीक्षा शांतिपूर्ण रही। सख्ती के चलते सभी जिलों में नकलचियों की शामत रही। राज्यभर के परीक्षा केंद्रों से 97 नकलचियों को निष्कासित किया गया। सबसे ज्यादा सारण से 15 और गया से 14 नकलची धराए।

राज्यभर के 1384 केंद्रों पर परीक्षा ली गई। कदाचार मुक्त परीक्षा की झलक प्रदेशभर में दिखी।

केंद्रों पर पुलिस की चुस्ती दिखी। सीसी टीवी और वीडियोग्राफी से भी नजर रखी जा रही थी। नवादा में प्रश्नपत्र वायरल को छोड़ दिया जाए तो शिक्षा माफिआओं की एक भी नहीं चली। पुलिस की सख्ती के कारण परीक्षा केंद्रों के आसपास कोई नहीं भटका। पहली पाली में 10 से एक बजे तक तो दूसरी पाली दो से साढ़े पांच बजे तक परीक्षा ली गयी। पहले दिन पहली पाली में जीव विज्ञान और इंटरप्रेन्योरशिप तथा दूसरी पाली में दर्शनशास्त्र व राष्ट्रभाषा हिन्दी की परीक्षा हुई। इंटर परीक्षा के दूसरे दिन बुधवार को प्रथम पाली में कला संकाय के भाषा विषय की परीक्षा ली जाएगी। वहीं दूसरी पाली में कंप्यूटर साइंस, मल्टीमीडिया और फाउंडेशन कोर्स की परीक्षा है।

पिंक पोलिंग बूथ की तर्ज पर ही कई जिलों में पिंक परीक्षा केंद्र यानी आदर्श परीक्षा केंद्र बनाए गए। इसे खूबसूरत तरीके से सजाया गया था। सिर्फ छात्राओं के लिए ही आदर्श परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। यहां वीक्षक से लेकर केंद्राधीक्षक तक सभी महिलाएं ही दिखीं। केन्द्र में जाने से पहले हुई जांच : परीक्षार्थियों को जांच के बाद ही परीक्षा केन्द्रों में जाने की इजाजत दी गयी। गेट पर ही मजिस्ट्रेट की देखरेख में चिट-पुर्जे व मोबाइल की तलाशी ली गयी। जिन छात्रों के पास चिट-पुर्जे मिले, उन्हें अगली बार ऐसी गलती नहीं करने की चेतावनी भी दी गयी। प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया। राज्यभर के परीक्षा केंद्रों से 97 नकलचियों को निष्कासित किया गया। सबसे ज्यादा सारण से 15 और गया से 14 नकलची धराए। पटना से एक नकलची धराया। बेगूसराय में 6 नकलची निष्कासित हुए। बक्सर में सख्ती के साथ परीक्षा शुरू हुई। परीक्षार्थियों की तलाशी के बाद ही केंद्र पर प्रवेश दिया गया।

भभुआ में एक छात्रा निष्कासित हुई जबकि 45 अनुपस्थित रहे। सारण के मढ़ौरा के एक केंद्र पर टेंट में परीक्षा ली गई। औरंगाबाद में कदाचार के आरोप में पहली पाली की परीक्षा में 8 परीक्षार्थी निष्कासित हुए। नालंदा में पांच नकलची तो शेखपुरा से तीन नकलची पकड़े गए। नवादा में पहले दिन की परीक्षा में 11 छात्राएं निष्कासित की गईं।

बेगूसराय, मधुबनी और सहरसा में एक-एक फर्जी छात्र धराए। प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान बेगूसराय के सर्वोदय उच्च विद्यालय शाहपुर से एक फर्जी परीक्षार्थी गिरफ्तार हुआ। दो वीक्षक पर हुई एफआईआर : वैशाली और बेगूसराय से एक-एक वीक्षक के ऊपर प्राथमिकी दर्ज की गई है। ये नकल कराते पकड़े गए थे।

वहीं, बिहारशरीफ के अल्लामा इकबाल कॉलेज में एक वीक्षक के पास से पांच मोबाइल बरामद किए गए। सेंटर के अंदर चिट-पुर्जा बरामद होने पर नालंदा कॉलेजिएट हाईस्कूल के दो वीक्षकों पर कार्रवाई की गयी। दीपनगर के नालंदा महिला टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के निरीक्षण के दौरान डीएम एक वीडियोग्राफर के पास मोबाइल देखकर भड़क गए। नवादा में भी डीएम ने एक परीक्षा केंद्र से वीडियोग्राफी की ड्यूटी पर तैनात एक कैमरामैन को संदेह के आधार पर गिरफ्तार भी कराया।

पहली पाली में जीव विज्ञान की परीक्षा शुरू होने के कुछ देर बाद ही प्रश्नपत्र वायरल हो गया। आरोप है कि प्रश्न पढ़ने के लिए दिए गए अतिरिक्त समय में ही प्रश्नपत्र वायरल हो गया। धीरे-धीरे यह पूरे राज्य में फैल गया। नवादा से प्रश्नपत्र वायरल होने की सूचना फैलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। परीक्षा के बाद निकले परीक्षार्थियों ने प्रश्नपत्र को हूबहू करार दिया। नवादा डीएम और एसएसपी ने भी संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्वीकार किया कि किसी शरारती तत्व ने प्रश्नपत्र वायरल किया है। इसकी जांच की जा रही है।

परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। सख्ती के कारण कई नकलची पकड़े गए हैं। नवादा में परीक्षा शुरू होने के बाद प्रश्नपत्र वायरल हुआ। इस कारण यह लीक नहीं है। डीएम, पुलिस अधीक्षक और डीईओ इसकी जांच कर रहे हैं। परीक्षा रद्द नहीं की जायेगी। लेकिन मामले की जांच में केंद्र या केंद्राधीक्षक की संलिप्तता पायी गयी तो कार्रवाई होगी।

''मंत्री को बर्खास्त किए बिना निष्पक्ष जांच संभव नहीं'

नई दिल्ली (एजेंसी)। रजिस्ट्रार ऋषिराज के लॉकर से मिले दस्तावेजों से हुए खुलासे के बाद दिल्ली सरकार के मंत्री सतेंद्र जैन पर भाजपा के हमले तेज हो गए हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि जांच से पहले मंत्री को बर्खास्त किया जाए। जिससे जांच निष्पक्ष हो सके। मनोज तिवारी ने सतेंद्र जैन के पुराने मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि जांच इस विषय पर केंद्रित होनी चाहिए कि आखिर सतेंद्र जैन एवं रजिस्ट्रार के बीच किस तरह के संबंध हैं। मंत्री ने अपने कागजात उनके पास क्यों रखवाएं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सतेंद्र जैन पर इससे पहले भी हवाला कारोबार, जमीन घोटाले आदि में उनका नाम सामने आ चुका है, लेकिन केजरीवाल उन्हें हमेशा से बचाते आए हैं। इस बार मुख्यमंत्री को दिल्लीवासियों को जवाब देना ही होगा, आखिर वह बार-बार सतेंद्र जैन को क्यों बचा रहे हैं। दूसरी ओर विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सतेंद्र जैन को बर्खास्त करने और दिल्ली डेंटल काउंसिल को भंग करने की भी मांग की है। नेता विपक्ष गुप्ता ने रजिस्ट्रार एवं मंत्री के बीच सांठ-गांठ होने का आरोप लगाते हुए कहा कि पारदर्शिता की बात करने वाले मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की चुप्पी इस रहस्य को और बढ़ा रही है। मुख्यमंत्री को आगे आकर इसका खुलासा करते हुए मंत्री को पद से बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीबीआई छापे से साफ है कि इन दोनों के बीच आर्थिक रिश्ते हैं। गुप्ता ने कहा कि मंत्री ने ही डॉ. ऋषिराज की नियुक्ति में मदद की थी। इसके एवज में ऋषिराज ने उनके आर्थिक दस्तावेज अपने लॉकर में छिपाए।

बजट में आधारभूत संरचना पर 8 हजार करोड़ खर्च करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आधारभूत संरचना विकसित करने के लिए नए बजट में दिल्ली सरकार करीब आठ हजार करोड़ खर्च करने का प्रावधान करेगी। इसमें सड़क निर्माण, फ्लाईओवर निर्माण व पूर्वी दिल्ली में बीआरटी कारिडोर निर्माण को शामिल किया जा सकता है। पिछले वर्ष इस मद में सरकार ने पांच हजार करोड़ की राशि का आवंटन किया था। अब राजधानी में इसके विकास को गति देने की योजना है। बीआरटी सहित नई सड़क परियोजनाओं को मजबूती देने के लिए दिल्ली सरकार लोक निर्माण विभाग का बजट बढ़ाकर 4100 करोड़ रपए करने पर विचार कर रही है। इलेक्ट्रिक बसों की खरीद करने के लिए परिवहन बजट को बढ़ाया जा रहा है व करीब 3782 करोड़ रपए का आवंटन इस मद में संभावित है। दिल्ली सरकार फ्लाईओवर व अंडरपास जैसी परियोजना पर विचार कर रहा है। मार्च में पेश होने वाले बजट में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और परिवहन विभाग के बजट में ज्यादा धनराशि का आवंटन संभावित है। राजधानी की परिवहन व्यवस्था लचर है व इस वित्त वर्ष 2018-19 में डीटीसी की बसों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया को तेज किया जाएगा। पिछला बजट करीब 48000 करोड़ का था जिसमें योजना मद करीब 18000 करोड़ का तय किया गया था। कई विभाग इस आवंटन में 80 प्रतिशत राशि खर्च नहीं कर पाई। अब मार्च महीने में पेश किए जाने वाले बजट का आकर 48 हजार करोड़ से बढ़ाकर 52 हजार करोड़ रपए करना संभावित है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार विभागों का प्रेजेंटेशन स्वयं देख रहे हैं। शिक्षा विभाग का प्रेजेंटशन का काम पूरा हो चुका है। सूत्रों की मानें तो शिक्षा का आवंटन सबसे ज्यादा संभावित है लेकिन संस्थागत ढांचे को बढ़ाने पर भी सरकार ध्यान देगी। दर्जन भर विभागों ने वित्त विभाग के पास बजट संबंधी प्रस्ताव को भेज दिए हैं। अब मंगलवार को भी बजट पर बैठक होगी जिसमें वित्त व योजना विभाग के शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे।

›››› क्लीन एयर फार दिल्ली कैंपेन 10 से 23 फरवरी तक

पर्यावरण मार्शलों की संख्या बढ़ाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में 10 से 23 फरवरी तक क्लीन एयर फार दिल्ली कैंपेन चलाया जाएगा। इसका आयोजन दिल्ली सरकार व भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा व इसके द्वारा वायु प्रदूषण के प्रति जनता को जागरूक किया जाएगा।

उपराज्यपाल अनिल बैजल ने सोमवार को वायु प्रदूषण से निपटने के उपायों के लिए संबंधित एजेंसियों व हितधारकों के साथ विस्तृत कार्ययोजना की समीक्षा की जिसमें कैंपेन के बारे में जानकारी दी गई। इस बैठक में पर्यावरण मंत्री इमरान हुसैन, शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव, परिवहन आयुक्त, तीनों निगमायुक्त व पर्यावरण सचिव मौजूद थे। उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि क्लीन एयर फार दिल्ली अभियान के लिए एक ठोस परिचालन योजना की जरूरत है। बैठक में पर्यावरण सचिव ने बताया कि आईआईटी कानपुर के साथ वायु गुणवत्ता मूल्यांकन अध्ययन पर चर्चा की जा रही है। 83 होमगाडरे को पर्यावरण माशर्ल के रूप में नगर निगमों के वाडरे में तैनात किया गया है।

उपराज्यपाल ने पर्यावरण माशर्लों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया। उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि नगर निगमों द्वारा प्रस्तावित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तय समय सीमा आठ से 16 माह के अंदर करें।

परिवहन आयुक्त ने उपराज्यपाल को बताया कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत 15 साल से ज्यादा पुराने वाहनों को रद्द करने व एमएसटीसी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव के लिए ''दिल्ली स्क्रेपिंग आफ व्हिकल्स रूल्स 2018' का मसौदा तैयार है। इनफोर्समेंट टीम को मजबूत बनाने के लिए हेड कांस्टेबल को और अधिक शक्ति देने का एक प्रस्ताव है।

राजधानी में पूर्वी विनोद नगर और बवाना में दो बस डिपो की पहचान की गई है। प्रत्येक बस डिपो में 100 इलेक्ट्रिक बसों की क्षमता है। विद्युत वाहनों को बढ़ावा देने के लिए यह योजना शुरू की जा रही है और डिपो का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। साथ ही 35 हजार वाणिज्यिक वाहनों का चालान किया गया है जिसके पास फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं था।

उपराज्यपाल ने कहा आगामी सर्दी को ध्यान में रखते हुए सभी एजेंसियां वायु प्रदूषण से निपटने के लिए अपनी कार्य योजना बनाएं।

जो अपने लक्ष्य के प्रति पागल हो गया है, उसे ही प्रकाश का दर्शन होता है। जो थोड़ा इधर, थोड़ा उधर हाथ मारते हैं, वे कोई लक्ष्य पूर्ण नहीं कर पाते। वे कुछ क्षणों के लिए बड़ा जोश दिखाते हैं; किन्तु वह शीघ्र ठंडा हो जाता है -स्वामी विवेकानंद

कोर्ट के फैसल

पर्यटन और अपने आलीशान रिसॉर्ट के लिए विश्व प्रसिद्ध मालदीव में राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है। वहां के सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रपति अबदुल्ला यामीन के अधिकारवादी शासन के खिलाफ दिए गए फैसले से यामीन की सरकार हताश और निराश है। अगर यामीन की सरकार कोर्ट के फैसले के मुताबिक विपक्षी नेताओं की रिहाई करने से इनकार कर देती है तो यामीन के खिलाफ शीर्ष अदालत महाभियोग भी लगा सकती है। यामीन अपनी गिरफ्तारी या महाभियोग लगाए जाने की आशंका को देखते हुए सेना को सतर्क कर दिया है। इस बात की भी पूरी संभावना है कि यामीन देश में आपातकाल की घोषणा भी कर सकते हैं। मालदीव में यामीन की सरकार और विपक्षी पार्टियों के बीच काफी दिनों से संघर्ष छिड़ा हुआ था। विपक्षी पाटियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए पिछले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद को रिहा करने का आदेश दिया था। यामीन की सरकार ने 2016 में उन पर आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त होने का फर्जी आरोप लगाया था। शीर्ष अदालत ने आठ अन्य विपक्षी नेताओं की रिहाई का भी आदेश दिया है, जिन पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस महत्त्वपूर्ण फैसले में अपदस्थ किए गए उन 12 सांसदों को फिर से बहाल कर दिया है, जो 2016 में संयुक्त विपक्ष के साथ एकजुट होकर राष्ट्रपति यामीन के खिलाफ महाभियोग लाने का प्रयास कर रहे थे। इन 12 सांसदों के फिर से बहाल हो जाने से यामीन की सरकार अल्पमत में हो जाएगी और इसलिए उन पर महाभियोग का खतरा बढ़ गया है। हालांकि इस बीच यामीन ने समय से पहले चुनाव कराने की बात कही है लेकिन उनके जैसे अधिकारवादी शासक के पद पर रहते हुए निष्पक्ष चुनाव की उम्मीद नहीं की जा सकती है। यह विडंबना ही है कि यामीन कोर्ट के आदेश का पालन न करके अपने ही पैर में कुल्हाड़ी मार रहे हैं। अगर उनकी सरकार का यह रुख बना रहा तो मालदीव निश्चित रूप से और बड़े राजनीतिक संकट की ओर बढ़ सकता है। मालदीव की राजनीतिक अस्थिरता भारत की सुरक्षा के लिए चिंता का सबब है क्योंकि वहां चीन और सऊदी अरब की संयुक्त रूप से सक्रियता है। इसीलिए भारत ने कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई है कि लोकतंत्र के लिए सरकार को कोर्ट के आदेश का पालन करना चाहिए।

कानून-व्यवस्था की हालत दयनीय

दो घटनाओं ने पूरे देश में फिर से इस सवाल को सुलगा दिया है कि पुलिस की कार्यशैली में सुधार कब और किस रूप में आएगा? पहली घटना राजधानी दिल्ली की है, जो देश की सबसे तेजतर्रार पुलिस फोर्स है। यहां के एक थानाध्यक्ष और उनके सहकर्मियों पर छह लोगों को बेवजह थाने में बंदकर पीटने और छोड़ने के एवज में 25 हजार रुपये वसूलने का आरोप है। बकायदा इसका वीडियो फुटेज भी सार्वजनिक होकर पुलिस की छवि को दागदार कर रहा है। वहीं दूसरी वारदात दिल्ली से बिल्कुल सटे नोएडा शहर की है। यहां के एक दारोगा और उसके साथियों पर दो युवकों का फर्जी मुठभेड़ में मारने का संगीन आरोप लगा है। दोनों में से एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। चूंकि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के सत्ता संभालने के बाद से कानून-व्यवस्था की हालत बेहद दयनीय है। शायद उत्तर प्रदेश की पुलिस को इस बात का इल्म नहीं है कि अपनी ताकत का इस्तेमाल उन्हें अपराधियों के खिलाफ करना है न कि आम निरीह जनता के विरुद्ध। जब जनता को ऐसी पुलिस से वास्ता पड़ेगा। आजादी के 70 साल बाद भी जनता पुलिस को एक पक्षपाती, क्रूर, भ्रष्ट और अक्षम फोर्स मानती है। जिसमें अपराध या कानून के खिलाफ जाने के बावजूद उनके खिलाफकोई कार्रवाई नहीं होती है। यह नई संस्कृति ही मानवाधिकारों के घोर और बेशर्म उल्लंघन के रूप में दिखता है। यह आदर्श स्थिति नहीं है। जो चीजें अपराध का कारण बनते हैं, पुलिस को उन्हें गहराई से समझने की जरूरत है। इंग्लैंड की पुलिस व्यवस्था के जनक सर रॉबर्ट पील के मुताबिक, पुलिस को हर हाल में जनता के साथ संबंध बनाकर रखना चाहिए। क्योंकि इसी से उस परंपरा का अनुमोदन होता है कि पुलिस पब्लिक है और पब्लिक ही पुलिस है। यह होगा कैसे; इसके लिए गहन पड़ताल जरूरी है।

सत्संग

संसार का अर्थ

संसार का अर्थ है: आकांक्षा, तृष्णा, वासना, कुछ होने की चाह। संसार का अर्थ, ये बाहर फैले हुए चांद-तारे, वृक्ष, पहाड़-पर्वत, लोग- यह नहीं है। संसार का अर्थ है: भीतर फैली हुई वासनाओं का जाल। संसार का अर्थ है: मैं जैसा हूं, वैसे से ही तृप्ति नहीं; कुछ और होऊं, तब तृप्ति होगी। जितना धन है, उससे ज्यादा हो। जितना सौंदर्य है, उससे ज्यादा हो। जितनी प्रतिष्ठा है, उससे ज्यादा हो। जो भी मेरे पास है, वह कम है-ऐसा जो कांटा गड़ रहा है, वही संसार है। और ज्यादा हो जाए, तो मैं सुखी हो सकूंगा। जो मैं हूं, उससे अन्यथा होने की आंकाक्षा संसार है। जिस दिन यह आकांक्षा गिर जाती है; जिस दिन तुम जैसे हो वैसे ही परम तृप्त; जहां हो वहीं आनंद रसविमुग्ध; जैसे हो वैसे ही गद-उसी क्षण संसार मिट गया। और संसार का मिटना और परमात्मा का होना दो चीजें नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि पहले संसार मिटा, फिर बैठे राह देख रहे हैं कि अब परमात्मा कब होगा। संसार का मिटना और परमात्मा का होना एक ही बात को कहने के दो ढंग हैं। चाहे कहो रात मिट गई, चाहे कहो सुबह हो गई, एक ही बात को कहने के दो ढंग हैं। ऐसा नहीं हैं कि रात मिट गई, फिर लालटेन लेकर खोज रहे हैं कि सुबह कहां है? रात मिट गई तो सुबह हो गई। संसार गया कि परमात्मा हो गया। सच तो यह है, यह कहना कि परमात्मा हो गया, ठीक नहीं। परमात्मा तो था ही; संसार के कारण दिखाई नहीं पड़ता था। तुम कहीं और भागे हुए थे, इसलिए जो निकट था वह चूकता जाता था। तुम्हारा मन कहीं दूर चांद-तारों में भटकता था, इसलिए जो पास था वह दिखाई नहीं पड़ता था। पश्चिम के एक बड़े विचारक माइकल अदम ने अपने संस्मरण लिखे हैं। लिखा है कि सब तरह से सुख को खोजने की कोशिश की; जैसा सभी करते हैं-धन में, पद में, यश में। कहीं सुख पाया नहीं। सुख को जितना खोजा उतना दुख बढ़ता गया। जितनी आकांक्षा की कि शांति मिले, उसे आकांक्षा के कारण ही अशांति और सघन होती चली गई। अतीत में सुख खोजा; बीत गया जो, उसमें सुख खोजा, और नहीं पाया; और भविष्य में सुख खोजा, कि अभी जो नहीं हुआ, कल जो होगा; वह कल कभी नहीं आया। दौड़-दौड़ थक गया। सब दिशाएं छान डालीं। फिर सोचा: सब जगह खोज चुका-अतीत में, भविष्य में, यहां-वहां; अब जहां हूं वहीं खोजूं; जो हूं उसी में खोजूं; इसी क्षण में खोजूं, वर्तमान में खोजूं-शायद वहां हो। और वर्तमान में खोजा और वहां सिवाय दुख के और कुछ भी नहीं था।

उत्साह से सराबोर माहौल की संभावना थी

बेंगलुरू के लोग प्रधानमंत्री को ऊंचे पायदान का वक्ता और उनके कहे को ब्रह्म वाक्य सरीखा मानते हैं। लोग राजनेताओं द्वारा घेर कर नहीं ले आए गएथे, बल्कि प्रधानमंत्री के घोर समर्थक थे। इसलिए उन्हें खासी उम्मीदें थीं। क्या थीं ये उम्मीदें : पहली तो यह कि कर्नाटक के तटीय इलाके में हाल के समय में तीस से ज्यादा हिन्दू कार्यकर्ताओं की एक के बाद एक हत्याओं के बारे में कुछ कहेंगे। राज्य सरकार को स्पष्ट चेताएंगे कि इस दिशा में सख्त कार्रवाई नहीं की तो उसे नतीजे भुगतने होंगे। दूसरी, मोदी अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बारे में कुछ कहेंगे। हालांकि प्रधानमंत्री से यह उम्मीद तो नहीं थी कि खुलकर कुछ कहते लेकिन इस बाबत उनकी ओर से कुछ संकेत मिलने की आशा जरूर थी।

सतीश पेडणोकर

उत्साह से सराबोर माहौल की संभावना थी। पर नहीं, सब कुछ शांत और ठहरा-सा रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 फरवरी को बेंगलुरू पहुंचे तो खासी उम्मीदें थीं, और लग रहा था कि अपनी भावभंगिमा से वे माहौल गरमा देंगे। यही कारण था कि लोग बड़ी संख्या में नेशनल ग्राउंड्स पर उन्हें सुनने के लिए उमड़ पड़े। हालांकि राज्य की राजनीतिक पार्टियों ने पहले ही चुनावी बिगुल बजा दिया है। लोगों की भीड़ चुनावी भाषण नहीं, बल्कि भारत खासकर कर्नाटक के सामने मुंह बाये खड़े वृहद् मुद्दों पर सुनना चाहती थी। बेंगलुरू के लोग प्रधानमंत्री को ऊंचे पायदान का वक्ता और उनके कहे को ब्रह्म वाक्य सरीखा मानते हैं। लोग राजनेताओं द्वारा घेर कर नहीं ले आए गएथे, बल्कि प्रधानमंत्री के घोर समर्थक थे। इसलिए उन्हें खासी उम्मीदें थीं। क्या थीं ये उम्मीदें : पहली तो यह कि कर्नाटक के तटीय इलाके में हाल के समय में तीस से ज्यादा हिन्दू कार्यकर्ताओं की एक के बाद एक हत्याओं के बारे में कुछ कहेंगे। राज्य सरकार को स्पष्ट चेताएंगे कि इस दिशा में सख्त कार्रवाई नहीं की तो उसे नतीजे भुगतने होंगे। दूसरी, मोदी अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बारे में कुछ कहेंगे। हालांकि प्रधानमंत्री से यह उम्मीद तो नहीं थी कि खुलकर कुछ कहते लेकिन इस बाबत उनकी ओर से कुछ संकेत मिलने की आशा जरूर थी। बेंगलुरू के लोग ऐसा चाहते थे क्योंकि प्रधानमंत्री जिस स्थान पर भाषण दे रहे थे, वहीं से राम मंदिर की निर्माण सामग्री इकट्ठा करने के अभियान की शुरुआत हुई थी। तीसरी, लोग चाहते थे कि मोदी भारत में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बारे में कुछ कहें। भारत में कर्नाटक पहला राज्य है, जिसने गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध संबंधी कानून प्रस्तावित किया था, लेकिन वोट बैंक खिसक जाने के डर से बाद की सरकारों ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया। चौथी, लोग चाहते थे कि वह कावेरी जल विवाद पर कुछबोलते जिसने कर्नाटक की अस्मिता और भावनाओं को खासा आहत कर रखा है। वर्षो से कर्नाटकवासियों को लगता रहा है कि उनके हिस्से का पानी तमिलनाडु हथिया लेता है। पांचवी, लोग चाहते थे कि मोदी भाजपा के दूसरी बार राज्य की सत्ता पर काबिज होने की बाबत कुछ कहते। इन संजीदे और वोट बटोरू विषयों के अलावा, बेंगलुरू के लोगों को यह उम्मीद भी थी कि मोदी राज्य सरकार के कामकाज पर तीखे हमले करेंगे। लेकिन उन्हें निराशा हाथलगी क्योंकि मोदी उन्हीं मुद्दों पर बोले जिनका केंद्रीय बजट-2018-19 में पहले ही उल्लेख हो चुका था। लोगों को मायूसी हाथ लगी। उन्हें मोदी में तेज, विरोधियों पर कटाक्ष करने या उनका माखौल उड़ाने की तत्परता देखने को नहीं मिली जिसके लिए वह जाने जाते हैं। महसूस होता है कि मोदी को आभास हो चला है कि कर्नाटक की 224 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत के लिए जरूरी 113 सीटों के आंकड़े तक भाजपा शायद न पहुंच पाए। इसलिए कि बीते डेढ़ेक साल से भाजपा में अंदरूनी उठा-पटक चरम पर रही है। पार्टी के राज्यस्तरीय अनेक शीर्ष और सम्मानित नेता खुलेआम एक दूसरे की टांग खिंचाई करते रहे हैं। इसके चलते मतदाताओं में उनकी छवि मलिन हुईहै। एक साल पहले भाजपा के लिए मिशन 150 को हासिल करना बेहद आसान था क्योंकि उसने बेंगलुरू स्थित एक शीर्ष बिजनेस स्कूल के साथ अनुबंध किया था, और वार्ड स्तर तक रणनीतियों पर काम कर रही थी। भाजपा इस बिजनेस स्कूल की सेवाओं के जरिए कर्नाटक में वार्ड स्तर पर मतदाताओं की छोटी से छोटी जानकारी का लेखा-जोखा रखती थी। इसके आधार पर बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक ब्लॉक में कार्यक्रम आयोजित करती थी। इनमें कांग्रेस सरकार की नाकामियों का लगातार जिक्र किया जाता था। इसके अलावा, भाजपा को कांग्रेस के खिलाफ सत्ता-जनित आक्रोश का लाभ भी हासिल था। फिर, सत्तारूढ़ कांग्रेस की हिन्दू कार्यकर्ताओं की हत्याओं पर चुप्पी से भी लोगों में आक्रोश था। लेकिन भाजपा नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोपों ने भाजपा के लिए लाभ की स्थिति को बिगाड़ दिया है। आज की तारीख में मुकाबले में दोनों पार्टियां-कांग्रेस और भाजपा-बराबरी पर होंगी। भाजपा को अतिरिक्त फायदा नहीं होगा। एचडी देवेगौडा के नेतृत्व में जनता दल (सेक्युलर) के चुनावी मैदान में आने से भी भगवा पार्टी के लिए कठिनाई बढ़ेगी। इसे कमतर नहीं आंका जा सकता क्योंकि 40-50 सीटों पर जीतने की भविष्यवाणी की जा चुकी है। कांग्रेस की जहां तक बात है, तो यह राष्ट्रीय पार्टी इस उम्मीद से मैदान में उतरेगी कि वह अपनी मौजूदा 70 से ज्यादा सीटों को अपने कब्जे में बनाए रख सकेगी। हालांकि इस पार्टी में भी मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को विफल देखने वाले नेताओं की कमी नहीं है। वे आगामी चुनाव में सिद्धरमैया को कांग्रेस के नक्शे से ही साफ कर डालने का कोईभी मौका नहीं चूकना चाहेंगे। भले ही गले न उतरे लेकिन सच यही है कि बाहरी होने के बावजूद उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में पांच साल का अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया है। अनेक योजनाएं आरंभ की हैं, जिनसे माना जा रहा है कि महिलाओं और कृषक समुदाय को फायदा पहुंचा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इन योजनाओं का फायदा वास्तव में इन समुदायों तक पहुंचा भी है या नहीं। इसका जवाब 2018 के चुनाव में मिलना तय है। संक्षेप में कह सकते हैं कि 2018 का चुनाव किसी पार्टी या उसकी राजनीति तक ही सीमित नहीं होगा। यह मुकाबला दो दिग्गजों-बीएस येदियुरप्पा और सिद्धरमैया-के बीच होगा। लेकिन जनता दल (सेक्युलर) को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकेगा, जो हमेशा से ''किंगमेकर' की भूमिका में उभरती है। चूंकि 118 के जादुई आंकड़े तक यह पार्टी पहुंचाती रही है। इस बार भी वह 40 सीटें और कांग्रेस अपनी मौजूदा 79 सीटों को कब्जे में बनाए रखती है, तो कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन की सरकार बनना तय है। यदि जेडीएस भाजपा के साथ जाती है, तो भाजपा के लिए 80 से ज्यादा सीटें जीतना जरूरी होगा। बहरहाल, एक बात साफ है कि कर्नाटक में त्रिशंकु असेंबली होगी।

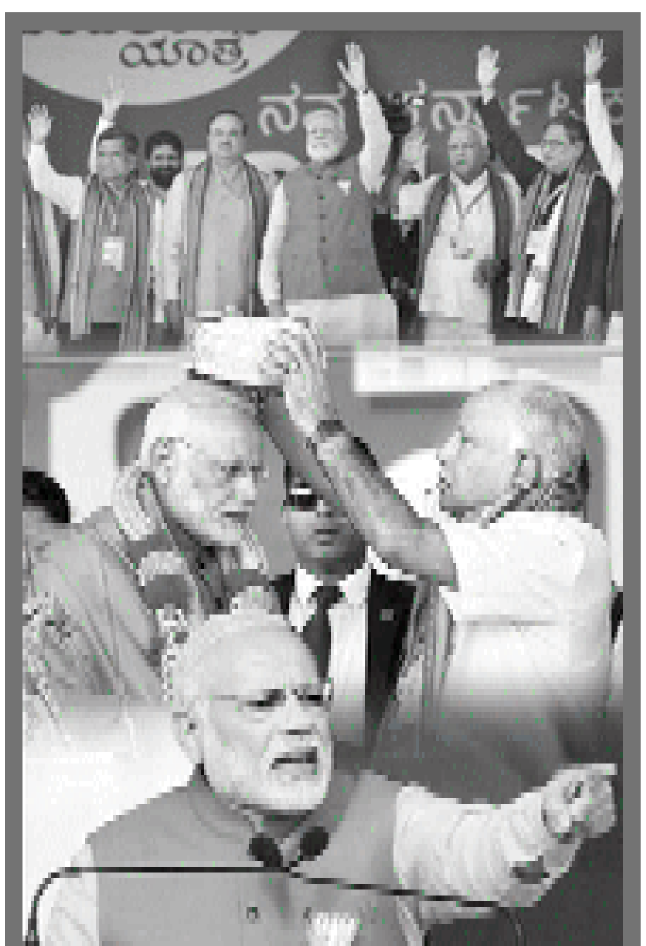

चलते चलते

वैधानिक चेतावनी

अब से करीब सौ साल बाद। एक राष्ट्र था फिंडिया, उसकी राजधानी में एक था फिंडिया गेट। फिंडिया गेट बहुत दिव्य भव्य टाइप ठिकाना था। हर साल वहां गणतंत्र दिवस की परेड होती थी। तरह-तरह के तोप-तमंचे हथियार दिखाए जाते थे ताकि पब्लिक आस्त रहे।

वैधानिक चेतावनी-इस व्यंग्य-कथा में दर्ज तमाम देशों के नाम काल्पनिक हैं। आपको वो नाम असली लगें, तो लेखक की जिम्मेदारी नहीं है। साल 2118 यानी अब से करीब सौ साल बाद। एक राष्ट्र था फिंडिया, उसकी राजधानी में एक था फिंडिया गेट। फिंडिया गेट बहुत दिव्य भव्य टाइप ठिकाना था। हर साल वहां गणतंत्र दिवस की परेड होती थी। तरह-तरह के तोप-तमंचे हथियार दिखाए जाते थे ताकि पब्लिक आास्त रहे कि सब कुछ नेता लोग खा नहीं गए हैं, कुछ रकम के हथियार वगैरह खरीद लिये गए हैं। फिर एक दिन फिंडिया गेट पार्क में बहुत सी दुकानें सजने लगीं-दस रुपये का मोबाइल, पांच रुपये की जैकेट, तीन रुपये की जीन्स मिलने लगी। पब्लिक टूटकर आने लगी खरीदने, इतना सस्ते आइटम मिल रहे हैं, यह खबर पूरे देश में फैल गई। कुछ होशियारों ने चेताया कि इतने सस्ते आइटम क्यों मिल रहे हैं। जाइना, फांकिस्तान के बंदे आइटम धुआंधार सस्ते आइटम बेचे जा रहे थे। जोहिंग्या कहे जानेवाले कुछ लोग भी वहां सस्ते आइटम बेच रहे थे।होशियारों ने चेताया-अरे थोड़े देशप्रेमी बनो ये क्या जाइना के, फांकिस्तान के आइटम जोहिंग्या लोगों से खरीद रहे हो। जनता ने कहा-जी हम देश प्रेमी हैं, पर उससे पहले कैश प्रेमी हैं। फिंडिया गेट पर बस्ती बस गई। फिर आया गणतंत्र दिवस। उसके लिए फिंडिया गेट की जरूरत पड़ी। बस्ती हटाने की कार्रवाई शुरू हुई तो मानवाधिकार वाले आ गए। एक जोहिंग्या टॉप कोर्ट में चला गया। कोर्ट ने कहा मानवाधिकारों की रक्षा हो, बस्ती उजाड़ी नहीं जा सकती। जोहिंग्या के वकीलों ने जोहिंग्या को समझाया-हमारा मुल्क कमाल का मुल्क है। सब कुछ रेगुलराइज हो जाता है। एक दिन जनगणना हुई तो देश की राजधानी में फिंडिया गेट में जमा जाईनीज, फांकिस्तानी और जोहिंग्या लोगों की तादाद दिल्ली के ओरिजनल बंदों से ज्यादा बैठी। फिर जाईनीज, फांकिस्तानी और जोहिंग्या लोगों ने लोकतंत्र की गुहार लगाई। फिर एक दिन जोहिंग्या राष्ट्र की घोषणा हो गई। मानवाधिकार का ऐसा हल्ला कटा कि युनाइटेड नेशन्स ने दखल दे दिया और फिंडिया गेट को विवादित इलाका मानते हुए उसने जोहिंग्या राष्ट्र को मान्यता दे दी। सो 2118 में जोहिंग्या राष्ट्र ठीक उसी जगह पर है, जहां सौ साल पहले फिंडिया गेट होता था।

फोटोग्राफी...

ऑस्ट्रेलि याई फोटोग्राफर ने हेलिकॉप्टर से शूट करके दिखाया न्यू यॉर्क के सेंट्रल पार्क का 360 डिग्री व्यू

यह फोटो न्यूयॉर्क सिटी का है, जिसे 360 डिग्री व्यू में हेलिकॉप्टर से एंड्रयू ग्रिफिथ ने क्लिक किया है। इसके पहले भी वे अमेरिका के कई शहरों की एरियल फोटोग्राफी कर चुके हैं, यह फोटो उनके नए प्रोजेक्ट का हिस्सा है। एरियल फोटोग्राफी में पुरस्कार जीत चुके एंड्रयू फिल्म डा इरेक्टर भी हैं। वे कहते हैं, मैं मेलबोर्न में पला -बढ़ा, लेकिन फोटोग्राफी का जुनून अमेरिका में आकर चढ़ा। यहां वे लेन्सालोफ्ट फोटो टीम के साथ जुड़े हुए हैं, जो हेलिकॉप्टर से ही 360 डिग्री व्यू एवं पैनोरमा तैयार करने का का म करती है। वे कहते हैं, मुझे उड़ान भरने का शौक था, यहांद आकर फोटोग्राफी में मन लग गया। इसके चलते अब 'फोटोग्राफी और फ्लाइट' दोनों कर पा रहा हूं। facebook.com

''मोदी सिद्धांत'

मस्जिद लई बनाय। ताची मुल्ला बांग दे क्या बहरा हुआ खुदायक्या अपने खुदा को आवाज देने के लिए बांग देने की जरूरत पड़ती है ? आज से छह सदी पहले ही कबीर ने यह सवाल पूछ कर अपने वक्त में धर्म के नाम पर जारी पाखंड को बेपर्द किया था। पिछले दिनों यह मसला कुछ अलग ढंग से उठा जब, दिल्ली की उच्च अदालत ने राज्य की सरकार और पुलिस महकमे को यह निर्देश दिया कि धार्मिक स्थानों से लाउडस्पीकरों को हटाने को लेकर उन्होंने उठाए कदमों के बारे में वह जानकारी उपलब्ध कराए। उच्च न्यायालय की द्विसदस्यीय पीठ ने-जिसमें मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल और न्यायाधीश हरिशंकर शामिल थे-उनसे यह भी जानना चाहा कि इस संबंध में उन्होंने जो आदेश जारी किया था- जैसा कि उनका दावा है-उसे भी अदालत के सामने पेश करे और उस आदेश को प्रचारित करने के लिए उठाए कदमों की भी जानकारी उपलब्ध कराए। सामाजिक कार्यकर्ता संजीव कुमार द्वारा दायर जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान अदालत ने यह आदेश दिया। मालूम हो कि याचिकाकर्ता ने यह मांग की है कि किसी भी धार्मिक स्थल पर प्रयुक्त लाउडस्पीकर, नागरिकों के-जिसमें बुजुर्ग और अल्पवयस्क बच्चे शामिल होते हैं-अधिकारों का हनन करते हैं, वह दूसरों के साथ बात करने, पढ़ने, सोचने यहां तक कि सोने के अधिकार भी उल्लंघन करते हैं। इस बात को भी स्पष्ट किया गया है कि लाउडस्पीकर को किसी भी धर्म का एकीकृत हिस्सा नहीं माना जा सकता क्योंकि वह 1924 में ही अस्तित्व में आए और धर्म सदियों पुराने चले आ रहे हैं। इस बात को मद्देनजर रखते हुए कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पिछले ही साल निजता के अधिकार को संविधान की धारा 21 के तहत जीवन के अधिकार एवं व्यक्तिगत आजादी का एकीक्रत हिस्सा माना गया है- जिसके बारे में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय पीठ ने एकमत से राय दी थी और उसे संविधान में निहित बुनियादी अधिकारों का हिस्सा माना गया था-प्रार्थनास्थलों पर ध्वनिसंवर्धक यंत्रों की तैनाती इसी निजता के अधिकार का उल्लंघन करती दिखती है। जनवरी माह की शुरुआत में ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश पुलिस को यह आदेश दिया था वह प्राधिकारियों से उचित अनुमति लिये बिना तमाम धार्मिक स्थलों पर तैनात लाउडस्पीकर्स को तत्काल हटा दे ताकि ध्वनि प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। अदालत ने साफ किया था कि रात दस बजे से सुबह छह बजे तक प्रार्थनास्थलों से लाउडस्पीकर का प्रयोग वर्जित रहेगा, चाहे अजान का वक्त हो या आरती का। प्रार्थनास्थलों में लाउडस्पीकर का प्रयोग या धार्मिक आयोजनों में ध्वनि संवर्धक तमाम यंत्रों का प्रयोग, जो अक्सर विभिन्न समुदायों में आपसी तनाव की सबब बनता रहा है, उस संदर्भ में हम राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व चेयरमैन ताहिर महमूद के एक आलेख पर गौर कर सकते हैं, जिसमें उन्होंने अदालतों द्वारा समय-समय पर लिये ऐसे ही अन्य फैसलों की र्चचा की है। इसमें सबसे चर्चित रहा है सर्वोच्च न्यायालय का वह फैसला, जिसमें उसने र्चच में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की र्चच की याचिका सिरेसे खारिज की थी और तर्क दिया था कि :निर्विवाद रूप से कहा जा सकता है कि कोई धर्म यह शिक्षा नहीं देता है कि दूसरों की शांति भंग करके प्रार्थना की जाए, न वह यह कहता है कि लाउडस्पीकरों या ढोल बजाके इस काम को किया जाए।' एक सभ्य समाज में, धर्म के नाम पर, ऐसी गतिविधियों को इजाजत नहीं दी जा सकतीं जो बूढ़े या विकलांग लोगों, छात्रों या ऐसे बच्चों को बाधित करती हों।

चोटों से परेशान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अजेय बढ़त लेने उतरेगा भारत

केपटाउन (एजेंसी)।

लगातार दो जीत से आत्मविश्वास से भरा भारत चोटों से परेशान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत के साथ छह मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त लेने की कोशिश करेगा। भारत ने डरबन और सेंचुरियन में पहले दो वनडे में क्रमशः छह और नौ विकेट से आसान जीत दर्ज करते हुए मेजबान टीम को ध्वस्त किया।

दक्षिण अफ्रीका में द्विपक्षीय श्रृंखला में इससे पहले भारतीय टीम कभी दो से अधिक वनडे नहीं जीत पाई है। मेहमान टीम ने 1992-90 में सात मैचों की श्रृंखला 2-5 से गंवाई थी जबकि 2010-11 में भारत 2-1 की बढ़त बनाने के बाद पांच मैचों की श्रृंखला 2-3 से हार गया था। लेकिन मौजूदा भारतीय टीम के स्तर को देखते हुए अगर इतिहास दोहराया जाता है तो यह टीम इंडिया के लिए बड़ी त्रासदी की तरह होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खराब प्रदर्शन का कारण कुछ हद तक चोटों की समस्या भी है। एबी डिविलियर्स पहले एकदिवसीय मैच से पहले ही बाहर हो गए जबकि फाफ डु प्लेसिस दूसरे वनडे से पहले। इन दोनों की अंगुलियों में चोट है। इसके अलावा दूसरे वनडे के बाद विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकाक भी बायीं कलाई में चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने डिकाक के विकल्प के तौर पर किसी को टीम में शामिल नहीं किया है और ऐसे में हेनरिक क्लासेन के पदार्पण करने की संभावना है जो यहां घरेलू वनडे टूर्नामेंट में तीसरे शीर्ष स्कोरर रहे। दक्षिण अफ्रीका के लिए डिकाक का बाहर होना कुछ राहत भी ला सकता है क्योंकि वह खराब फार्म से जूझ रहे थे और भारत के खिलाफ टेस्ट और वनडे में कुल आठ पारियों में एक बार भी 50 रन के आंकड़े को नहीं छू पाए। क्लासेन को हालांकि भारत के कलाई के स्पिनरों युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव का सामना करने का मौका नहीं मिला है जो पहले दो मैचों में मिलकर 13 विकेट चटका चुके हैं।

दक्षिण अफ्रीका को उम्मीद है कि अगर मौका मिलता है तो क्लासेन हाशिम अमला के साथ मिलकर टीम को अच्छी शुरूआत दिला पाएंगे। डिकाक और अमला ने डरबन और सेंचुरियन में पहले दो मैचों में पहले विकेट के लिए क्रमशः 30 और 39 रन जोड़े जिसके बाद बाकी बल्लेबाज भारत के लेग स्पिनरों का सामना करने में नाकाम रहे। पहले मैच में सिर्फ डु प्लेसिस ही टिककर उनका सामना कर पाए और शतक जड़ा।

कप्तान ऐडन मार्करम भी पारी की शुरूआत करने उतर सकते हैं। इससे पहले डरबन में चौथे नंबर पर खेलते हुए उन्होंने नौ जबकि सेंचुरियन में तीसरे नंबर पर खेलते हुए आठ रन बनाए थे। मध्यक्रम को मजबूत करने के लिए दक्षिण अफ्रीका अनुभवी बल्लेबाज फरहान बेहरदीन को अंतिम एकादश में जगह दे सकता है। टीम को ऐसे में खायेलिहले जोंडो को बाहर करना पड़ सकता है।

दक्षिण अफ्रीका हालांकि दोनों मैचों में कुलदीप का शिकार बने डेविड मिलर को बाहर करके बेहरदीन और जोंडो दोनों को मैदान पर उतर सकता है। डबरन में हार के बावजूद डु प्लेसिस ने कहा था कि दो स्पिनर उनकी टीम के संतुलन में फिट नहीं बैठते लेकिन इसके बाद

भी मार्करम ने कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में इमरान ताहिर और तबरेज शम्सी के रूप में दो स्पिनर खिलाए। चोट के बावजूद डुप्लेसिस अब भी ड्रेसिंग रूम का हिस्सा हैं और दो स्पिनरों का खिलाने का फैसला संभवतः पिच को देखते हुए किया गया।

दूसरी तरफ भारतीय टीम टेस्ट श्रृंखला के बाद दबदबा बनाकर खुश होगी। दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बनाई थी और भारत को सही संयोजन के लिए बार-बार बदलाव करने पड़े थे। विराट कोहली ने कप्तान के रूप में अपने सभी 35 टेस्ट की अंतिम एकादश में बदलाव किया है लेकिन वह लगातार तीसरे वनडे में समान टीम के साथ उतर सकते हैं। भारतीय टीम की नजरें पहली बार दक्षिण अफ्रीका की सरजमीं पर किसी द्विपक्षीय एकदिवसीय द्विपक्षीय श्रृंखला में तीन मैच जीतकर इतिहास रचने पर टिकी हैं। अगर ऐसा होता है तो यह न्यूलैंड्स पर भारत की 1992 से पांच मैचों में तीसरी जीत होगी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां तीन में से दो मैच गंवाए हैं और एक जीता है।

सेंचुरियन में जीत के बाद भारत आईसीसी एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा और केपटाउन में जीत से वह दक्षिण अफ्रीका पर बढ़त को मजबूत कर लेगा। दक्षिण अफ्रीका की जीत हालांकि भारत को दोबारा दूसरे स्थान पर धकेल देगी। टीम प्रबंधन हालांकि लगातार कहता रहा है कि वे रैंकिंग को अधिक तवज्जो नहीं देते लेकिन कोहली एंड कंपनी अंक गंवाना नहीं चाहेगी और शीर्ष पर ही रहना चाहेगी।

सिंधू ने एशिया चैंपियनशिप में भारत को हांगकांग पर 3-2 की जीत दिलाई

एलोर सेतार। ओलंपिक रजत पदक विजेता पीवी सिंधू की अगुआई में भारतीय महिला टीम ने एशिया बैडमिंटन टीम चैंपियनशिप में सकारात्मक शुरूआत करते हुए हांगकांग को 3-2 से हराया। ग्रोइन की चोट के कारण लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल के टूर्नामेंट से हटने के बाद सिंधू ने अपनी उपयोगिता साबित करते हुए पहले एकल मैच जीता और फिर एन सिक्की रेड्डी के साथ मिलकर युगल में भी जीत हासिल की। रविवार को इंडिया ओपन के फाइनल में मिली दिल तोड़ने वाली हार से उबरते हुए सिंधू ने पहले एकल में हांगकांग की यिप पुई यिन को सीधे गेम में 21-12 21-18 से हराया। अश्विनी पोनप्पा और प्राजक्ता सावंत को हालांकि पहले महिला युगल में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद एनज विंग युंग और युंग एनगा टिंग के खिलाफ 52 मिनट में 22-20 20-22 10-21 से हार झेलनी पड़ी। दूसरे एकल में युवा श्री कृष्णा प्रिया कुदारावली को च्युंग यिंग मेई को कड़ी चुनाती देने के बावजूद 19 -21 21-18 20-22 से हार का सामना करना पड़ा जिससे भारत पांच मैचों के मुकाबले में 1-2 से पिछड़ गया। सिंधू ने इसके बाद सिक्की के साथ मिलकर एनजी टीज याउ और युन यिन यिंग को 21-15 15-21 21-14 से हराकर भारत को बराबरी दिलाई। अब भारत की जीत का दारोमदार रुतविका शिवानी गाडे पर था जिन्होंने तीसरे एकल में पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए युंग सम यी को 16-21 21-16 21-13 से हराकर भारत को जीत दिलाई। एशियाई टीम चैंपियनशिप उबेर कप फाइनल का क्वालीफायर भी है और यहां सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली टीमों को मई में बैंकाक में खेलने का अधिकार मिलेगा। गुरुवार को भारत की भिड़ंत जापान की मजबूत टीम से होगी जिसमें दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची और गत विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा शामिल हैं।

हॉकी स्टार अवॉर्ड में बेल्जियम के वान डोरेन को दोहरी सफलता

बर्लिंग। बेल्जियम के आर्थर वान डोरेन को एफआईएच के 2017 हॉकी स्टार अवॉर्ड में दोहरी सफलता मिली जब उन्हें साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी और साल का उभरता हुआ स्टार खिलाड़ी चुना गया। वान डोरेन को लगातार दूसरे साल उभरता हुआ स्टार खिलाड़ी चुना गया। अर्जेन्टीना की डेलफीना मेरिनो साल 2017 की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनी गई। स्टिलवर्क बर्लिंग में सोमवार रात रंगारंग समारोह में अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एचआईएच) ने पिछले साल खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को पुरस्कार दिए। अर्जेन्टीना की मारिया जोस ग्रेनाटो को लगातार दूसरे साल उभरती हुए सर्वश्रेष्ठ महिला स्टार खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने लगभग 12 महीने पहले भारत में भी यह पुरस्कार जीता था। इंग्लैंड और ग्रेट ब्रिटेन की मेडी हिंच को भी लगातार दूसरे साल सर्वश्रेष्ठ महिला गोलकीपर चुना गया। विन्सेंट वनाश ने बेल्जियम के पुरस्कारों की सूची में इजाफा गया जब उन्हें सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया। इस साल किसी भी भारतीय को इन पुरस्कारों के लिए नामित नहीं किया गया था। इसके अलावा 2017 के सर्वश्रेष्ठ कोच को भी पुरस्कृत किया गया। ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज एलिसन अन्नान को सर्वश्रेष्ठ महिला कोच जबकि अर्जेन्टीना के मैक्स कालडस और न्यूजीलैंड के शेन मैकलियोड को संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच चुना गया। स्काटलैंड की सारा विल्सन को साल की सर्वश्रेष्ठ महिला अंपायर जबकि घरेलू सरजमीं पर हाकी विश्व लीग सेमीफाइनल के बाद संन्यास लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के जान राइट को सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंपायर चुना गया।

राजस्थान की जलपरी गौरवी ने बनाया यह कीर्तिमान

जयपुर। राजस्थान में उदयपुर की जलपरी गौरवी (14) ने मंगलवार को मुंबई के जुहू बीच के खारदंडा से गेटवे ऑफ इंडिया तक समुद्र में लगातार साढ़े दस घंटे में 47 किलोमीटर तैरने का एक और कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। गौरवी के कोच महेश पालीवाल ने फोन पर बताया कि गौरवी ने मंगलवार तडके साढ़े तीन बजे समुद्र में तैरना शुरू किया और करीब डेढ़ बजे उसने अपना सफर पूरा किया। वह मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे जैसे ही गेटवे ऑफ इंडिया पहुंची तो वहां मौजूद उसके माता-पिता एवं सहपाठी छात्राओं ने उसका जोरदार स्वागत किया। पालीवाल ने बताया कि नया कीर्तिमान बनाने के लिए गौरवी ने रविवार को करीब दो घंटे तक पूर्वाभ्यास भी किया और जब वह पूरी तरह आश्वस्त हो गई तो सोमवार आधी रात से मिशन के लिए तैयार हो गई। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की जलपरी गौरवी ने पहले भी अरब सागर में लगातार 36 किलोमीटर तैरने का रिकॉर्ड बनाया है। गौरवी का लक्ष्य एशियाड और ओलिंपिक खेलों में भाग लेने का है जिसके लिए वह पूरी तैयारी कर रही है।

23 जून से खेला जाएगा वेस्टइंडीज की धरती पर पहला दिन-रात्रि टेस्ट मैच

कोलंबो। श्रीलंका जब जून में कैरेबिया का दौरा करेगा तो वेस्टइंडीज अपने पहले दिन-रात्रि क्रिकेट टेस्ट की मेजबानी करेगा। श्रीलंका क्रिकेट के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एसएलसी ने बताया कि तीन मैचों की शृंखला का अंतिम टेस्ट बारबडोस के केनसिंगटन ओवल में 23 जून से खेला जाएगा तो दिन-रात्रि टेस्ट होगा। श्रीलंका की टीम मई के अंत में वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी और छह जून से त्रिनिदाद एवं टोबैगो के क्वीन्स पार्क ओवल में पहले टेस्ट से पूर्व दो दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी। दूसरे टेस्ट 14 जून से सेंट लूसिया में खेल जाएगा। वेस्टइंडीज की टीम दो दिन-रात्रि टेस्ट में खेली है, लेकिन इनमें से कोई भी उसने स्वदेश में नहीं खेला। श्रीलंका ने पिछले साल पाकिस्तान के खिलाफ यूएई में अपना पहला दिन-रात्रि टेस्ट खेला था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

किबर्ले (एजेंसी)।

सिरीज के पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत के साथ तीन मैचों की सीरीज में विजयी बढ़त लेने के इरादे से उतरेगी। विश्व कप के फाइनल में जगह बनाने के सात महीने बाद खेल रही भारतीय महिला टीम ने कोई कोताही नहीं बरती और कल पहले वनडे में दक्षिण अफ्रीका को आसानी से 88 रन से हरा दिया।

तीन मैचों की यह सीरीज आईसीसी महिला चैंपियनशिप के पहले दौर का मुकाबला भी है। इस चैंपियनशिप के जरिए टीमों को 2021 आईसीसी महिला विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। विश्व कप में उप विजेता रही भारतीय टीम ने इसके बाद कल तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला क्योंकि बीसीसीआई ने टीम के खेलने की कोई योजना ही नहीं बनाई थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा सिरीज को टीम के लय में लौटने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पहले वनडे में हालांकि भारतीय टीम में मैच अभ्यास की कोई कमी नहीं दिखी और टीम ने सभी विभाग में अच्छा प्रदर्शन करते हुए

मेजबान टीम को पछाड़ दिया।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बायें हाथ की बल्लेबाज स्मृति मंधाना (98 गेंद में 84 रन) के अर्धशतक और कप्तान मिताली राज की 45 रन की पारी की बदौलत सात विकेट पर 213 रन बनाए और फिर तेज गेंदबाजों झूलन गोस्वामी (24 रन पर चार विकेट) और शिखा पांडे (23 रन पर तीन विकेट) की बदौलत दक्षिण अफ्रीका को 125 रन पर ढेर कर दिया। लेग स्पिनर पूनम यादव ने भी नौ ओवर में 22 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दूसरी तरफ दक्षिण अफ्रीका की टीम 43 .2 ओवर में सिमटने के बाद निराश होगी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 23 तक ही ही लिजेल ली (03), तृषा चेट्टी (05) और मिगनोन डु प्रीज (00) के विकेट गंवा दिए। कप्तान डेन वान नीकर्क (41) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाई लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिला। लारा वोलवार्ट (21), मारिजेन कैप (23) और स्युन लुस (नाबाद 21) अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहीं। मिताली राज के दूसरे विकेट के लिए 99 रन जोड़ने के बाद मेजबान टीम को कैप और अयाबोंगा खाकर ने दो-दो विकेट चटकाकर वापसी दिलाई थी लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा पाई।

भारतीय टीम अब कहीं भी जीत दर्ज करने में सक्षम है: धवन

केपटाउन। सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का मानना है कि भारतीय वनडे टीम के पास अब सही संतुलन और एक्स फैक्टर है जिससे टीम कहीं भी जीत दर्ज कर सकती है। धवन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले कहा ,''हमारे पास काफी अनुभव है। यह दक्षिण अफ्रीका का मेरा दूसरा दौरा है और मैं इसके लिये बेहतर तैयारी के साथ आया था। मानसिक और कौशल में भी। इससे बड़ा फर्क पड़ा।'' उन्होंने कहा ,''अच्छी बात यह है कि टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ी हैं। युवा खिलाड़ी भी ऐसे खेल रहे हैं जैसे उनके पास काफी अनुभव हो और यही हमारी ताकत है।'' उन्होंने कहा ,''हार्दिक पंड्या जैसे हरफनमौला के होने से टीम संतुलित हो गई है। हमारे पास स्पिनरों को जल्दी नहीं उतारने का विकल्प है। इससे टीम में लचीलापन बढ गया है। हमें पता है कि स्पिनरों को देर से गेंद सौंपी जा सकती है और हार्दिक उस समय गेंदबाजी कर सकता है। यह एक्स फैक्टर है।'' शुरूआती दो मैच जीतने के बावजूद धवन ने कहा कि उनकी टीम आत्ममुग्धता का शिकार नहीं होगी। उन्होंने कहा ,''मुझे नहीं लगता कि आत्ममुग्धता कोई मसला होगी। हमारे लिये यह बड़ी श्रृंखला है । दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट श्रृंखला में अच्छा खेला लिहाजा वे वापसी की कोशिश करेंगे।''

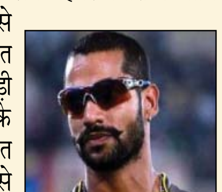

विराट कोहली बेहद सकारात्मक कप्तान हैं: अश्विन

चेन्नई। ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को जीत के लिए प्रचंड मानसिकता वाला कप्तान बताते हुए आज यहां कहा कि उनकी सकारात्मक सोच का असर दूसरे खिलाड़ियों पर भी पड़ता है। गुजरात के खिलाफ विजय हजारे ट्राफी के शुरूआती मैच के इतर उन्होंने कहा कि कोहली इस खेल के महान कप्तानों की श्रेणी में हैं। उन्होंने कहा, 'वह (कोहली) ऐसे खिलाड़ी हैं जो हर परिस्थिति में जीत के लिए खेलेंगे। उनमें नकारात्मकता नाम की कोई चीज नहीं है। वह हमेशा जीत की बात करते हैं, स्थिति को बचाने की नहीं। यह अच्छा है क्योंकि खिलाड़ियों को पता है कि उनसे क्या चाहिए। यह टीम को एक अद्भुत गति देता है।' अश्विन ने कहा, 'पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर यह उनका पहला विदेशी दौरा है। मैं अश्वस्त हूं कि पिछले सभी बेहतरीन कप्तानों ने घरेलू मैदानों से छाप छोड़ना शुरू किया होगा। अच्छा होगा की हम उन्हें इसका श्रेय दें।'

आईपीएल का नीलामी हफ्ता तनावपूर्ण था, मैं चिंतित था: द्रविड़

मुंबई (एजेंसी)।

आईपीएल नीलामी के आसपास का हफ्ता 'तनावपूर्ण' था और भारतीय अंडर 19 कोच राहुल द्रविड़ 'चिंतित' थे क्योंकि विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बीच में उनके कुछ खिलाड़ी सांस रोककर लुभावने अनुबंधों का इंतजार कर रहे थे। हालांकि टीम के रिकार्ड चौथे अंडर 19 विश्व कप की राह में कोई अड़चन नहीं आई और खिलाड़ियों का ध्यान भंग नहीं हुआ।

द्रविड़ ने आज कहा, 'आईपीएल नीलामी के दौरान एक हफ्ता थोड़ा तनावपूर्ण था लेकिन लड़कों को श्रेय जाता है, इसके होने के बाद वे अभ्यास के लिए लौटे और जी जान लगा दी। केवल उन तीन दिनों के दौरान मैं थोड़ा चिंतित था।' अंडर 19 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का आज यहां गर्मजोशी से स्वागत किया गया। कप्तान पृथ्वी शा, शिवम मावी, कमलेश नागरकोटी, शुभमन गिल और अनुकूल राय को आईपीएल में अच्छे अनुबंध मिले।

फाइनल में हमने अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेला: द्रविड़

मुंबई। आईसीसी अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया पर आठ विकेट की एकतरफा जीत के बावजूद भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने आज कहा कि भारत ने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेला। द्रविड़ ने हालांकि कहा कि उनकी टीम जीत की हकदार थी। द्रविड़ ने कहा, 'हमने फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं खेला जो हमने क्वार्टर फाइनल (बांग्लादेश के खिलाफ) और सेमीफाइनल (पाकिस्तान के खिलाफ) खेला था।'

विरार से माउंट माउनगानुई का सफर काफी कठिन रहा: शॉ

मुंबई (एजेंसी)।

विश्वकप विजेता अंडर-19 भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान पृथ्वी शॉ ने आज यहां कहा कि उनके लिए विरार से माउंट माउनगानुई (न्यूजीलैंड) तक का सफर काफी 'कठिनाइयों' से भरा रहा और अपने नेतृत्व में टीम के विश्व कप जीतने की खुशी को वह शब्दों में बयां नहीं कर सकते। भारत ने माउंट माउनगानुई में शनिवार को खेले गये फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराकर रिकार्ड चौथी बार अंडर-19 विश्व कप जीता।

न्यूजीलैंड से यहां पहुंचने पर शॉ ने कहा, 'विश्वकप विजेता कप्तान बनने की अनुभूति को मैं शब्दों में अभिव्यक्त नहीं कर सकता। सबका शुक्रिया।' महाराष्ट्र के पालघर जिले के छोटे से शहर विरार में रहने वाले शॉ ने अपने गृहनगर से न्यूजीलैंड तक के सफर को याद करते हुए कहा, 'विरार में मैं जहां रहता था वहां से मेरा सफर काफी मुश्किल भरा रहा है। इसका श्रेय मेरे पिता को जाता है जो मुझे हर जगह लेकर जाते थे। वह मुझे मैच और अभ्यास के लिए घर से काफी दूर ले जाते थे।'

उन्होंन कहा, 'ट्रेन से इस सफर में दो घंटे का समय लगता था और उन दिनों यह काफी मुश्किल भरा था। भारतीय अंडर-19 टीम से खेलने के लिए पिछले दो-तीन वर्षों से मैं काफी कड़ी मेहनत कर रहा हूं।' रणजी और दलीप ट्रॉफी के पदार्पण मैच में शतक लगाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा, 'यह सब अनुभव की बात है, जब आप सात-आठ साल के होते हैं तो स्कूल क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं और रन बनाते हैं, स्कूल स्तर से मेरे कोच से लेकर अब राहुल द्रविड़ सर तक सभी छोटी, छोटी चीजों और अनुभव का फर्क पड़ता है।'

टूर्नामेंट में दो अर्धशतक सहित 261 रन बनाने वाले शॉ ने कहा कि उनकी टीम ने योजना को अंजाम तक पहुंचाया और उन्हें इस पर बेहद गर्व है। शॉ ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और मुझे गर्व है, मैंने स्कूल स्तर पर काफी क्रिकेट खेला है और वहां बहुत रन बनाये हैं। फिर रणजी ट्रॉफी खेला लेकिन जब हम भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, तो यह एक अलग अहसास होता है।

संत निरंकारी मंडल के प्रधान सत्यार्थी हुए ब्रह्मलीन

संवाददाता, सूरत। सूरत संत निरंकारी मंडल के प्रधान जे.आर.डी. सत्यार्थीजी गतरोज ब्रह्मलीन हो गए। उनकी उम्र 85 वर्ष थी। दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए विशेष सत्संग का आयोजन किया गया।

सत्संग में वक्ताओं ने सत्यार्थीजी को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन संत निरंकारी मंडल के साथ 60 वर्ष समर्पित रहा। उन्होंने शहंशाह बाबा अवतार सिंह के कार्यकाल में ही ब्रह्मज्ञान लिया था और बाबा गुरुबचन सिंहजी के साथ 17 वर्ष तक उनके निजी सचिव के रूप में कार्यरत रहे। यही सेवा उन्होंने बाबा हरदेवसिंह के साथ भी 1980 से 1980 तक की। संत ओंकारसिंह सिंह ने सत्संग को संबोधित करते हुए कहा कि संत सत्यार्थीजी ने प्रत्येक क्षण परमात्मा का ध्यान किया, परमात्मा के साथ जुड़े रहे और आनंदमय जीवन जीने के लिए प्रेरित करते रहे। वो हमेशा कहते रहे जो परमात्मा के साथ जुड़ जाता है वह निराशा, हताशा और उदासी से दूर हो जाता है। हमेशा प्रभु के समक्ष यही याद करते हुए, तेरा रूप है यह संसार, बस, सभी से प्रेम करो। उन्होंने बड़ों की ईज्जत और सत्कार करना ही मानव कल्याण का सूत्र बताते हुए कहा कि, किसी का किया हुआ सत्कार प्रभु तक पहुंचता है।

उधना के युवक ने फांसी लगा की आत्महत्या

संवाददाता, सूरत। शहर के उधना क्षेत्र हरीनगर में रहने वाला एक युवक गत रोज अपने घर में रहस्यमय रूप से बेहोशी की हालत में मिलने पर उसे इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उधना के हरीनगर-3 घर नं. 410 में रहने वाले सूरज अमीश चंद्र तिवारी को उनके घर में बेहोशी की हालत में मिलने पर उनके भाई विपिन तिवारी इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले गए। जहां पर डाक्टरों ने जांच करने के बाद सूरत को मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में उधना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जीवन से निराश होकर फांसी पर झूल गया लिंबायत का अधेड़

संवाददाता, सूरत। लिंबायत के नीलगिरी रंगीला नगर भाग-1 में रहने वाले एक अधेड़ ने जीवन से त्रस्त होकर फांसी लगा ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबायत क्षेत्र नीलगिरी रंगीला नगर भाग-1 बजरंगदल मंदिर के पास रहने वाले शशकिांत चौहाण (55 वर्ष) मजदूरी करके जीवन गुजार रहे थे। वे पिछले काफी समय से तनाव में रहते थे। गत रोज शशिकांत भाई ने जीवन से हैरान-परेशान होकर निर्माण कार्य की जगह पर सीढ़ी के छत में रस्सी बांधकर फांसी पर झूल गए। लिंबायत पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

सूरत मनपा बजट में सुधार के लिए हल्लाबोल, काछड़िया गिरकर हुए घायल

संवाददाता, सूरत। सूरत महानगर पालिका के शासकों द्वारा पेश किए गए ड्राफ्ट बजट में वेरा तथा अन्य टैक्स की वृद्धि को लेकर कांग्रेस द्वारा एक सप्ताह से एक के बाद एक उग्र प्रदर्शन किया जा रहा है। मंगलवार को भी कांग्रेस हल्लाबोल प्रदर्शन कर रही थी। उसी समय कांग्रेस के काछडिया अचानक गिर गए। जिनको इलाज के लिए 108 द्वारा अस्पताल में ले जाया गया।

कांग्रेस ने बढ़ाए गए वेरा को कम करने के लिए पालिका में मांग की थी। मंगलवार को सुबह स्थाई समिति की बैठक हुई। जिसमें मनपा कमिश्नर द्वारा पेश किए घए बजट पर चर्चा करने और बजट में सुधार करने के लिए दो दिन के लिए बैठक चलने वाली है। इससे पहले ही सूरत कांग्रेस ने स्थाई समिति के खंड से बाहर निकल कर बढ़ाए गए वेरा का विरोध करना शुरू कर दिया। इस विरोध कार्यक्रम में विरोध पक्ष के नेता और कांग्रेस नगर सेवकों ने बड़ी संख्या में हंगामा किया। मुख्य दरवाजा खोलकर कांग्रेसियों ने अंदर घुसने का प्रयास किया। जिसमें कांग्रेसी महिला कार्यकर्ताओं को मनपा महिला गार्ड ने बाहर करने का प्रयास किया था। इस बीच कांग्रेस के काछड़िया धक्कामुक्की में गिर गए और उनको 108 द्वारा इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया है।

पांडेसरा में ट्रैक्टर चालक ने किशोरी को कुचला

संवाददाता, सूरत। पांडेसरा के उन महमदीनगर के पास सड़क पार कर रही एक किशोरी को ट्रैक्टर चालक द्वारा चपेट में ले लेने से उसकी स्थल पर ही मौत हो गई। पांडेसरा पुलिस ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उन गांव भिन्डी बाजार सिद्दीक नगर भेस्तान में रहनेवाले हमीदखान अलीयर खान के भांजे की 13 वर्षीय पुत्री गत रोज उन महमदीनगर के पास रोड क्रॉस कर रही थी। उसी समय ट्रैक्टर नं. जीजे-5-एए-1096 के चालक ने किशोरी को चपेट में ले लिया। जिससे गंभीर चोट लगने से उसकी स्थल पर ही मौत हो गई। पांडेसरा पुलिस ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके जांच कर रही है।

सुहाना मौसम

संवाददाता, सूरत। मंगलवार को अचानक मौसम ने करवट लेते हुए शरद हवाओं से शहर में सर्दी का अहसास करवाया।

भाजपा विधायक खुद की शपथविधि में रहे अनुपस्थित

गांधीनगर (ईएमएस)। 14वीं विधानसभा में चुने गए विधायकों के शपथ समारोह में भाजपा विधायक पुरुषोत्तम सोलंकी उपस्थित नहीं रहे। गुजरात विधानसभा चुनाव में चुने गए विधायकों को विधायक पद के लिए शपथ दिलाई जाती है। आज शेष बचे विधायकों के लिए स्वर्णिम संकुल 2 में शपथ समारोह का आयोजन किया गया था। प्रोटेम स्पीकर नीमाबेन आचार्य ने शेष बचे विधायकों को शपथ दिलाई। हालांकि इस शपथविधि समारोह में पिछले कितने दिनों से भाजपा से नाराज चल रहे पुरुषोत्तम सोलंकी उपस्थत नहीं रहे। गौरतलब है कि सीएम रुपाणी के सत्ता संभालने के बाद खाता बंटवारे को लेकर विधायकों में नाराजगी है।

हिट एन्ड रन में वृद्धा की मौत, युवक ने लगाई फांसी

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के नारोल इलाके में हुई हिट एन्ड रन की घटना में एक वृद्धा की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। वहीं मेघाणीनगर इलाके में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक अहमदाबाद शहर के विशाला सर्किल निकट रहनेवाले हुसेनभाई अब्दुलभाई मीर की 65 वर्षीय बहन फातिमाबानु नारोल हाईवे पर कोझी होटल निकट से सड़क पार कर रही थी। इस दौरान एक अज्ञात वाहन चालक ने फातिमाबानु को अपनी चपेट में ले लिया। गंभीर रुप से घायल फातिमाबानु को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। वहीं एक ओर घटना में शहर के मेघाणीनगर इलाके के गुजरात हाउसिंग बोर्ड के मकान में रहनेवाले नरेशभाई पुरुषोत्तमभाई श्रीमाली नामक युवक ने देर रात्रि को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल घटनास्थल पहुंचकर नरेश के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने नरेश के परिजनों व पडोशियों के बयान लेकर जांच शुरु की है ।

संवाददाता, सूरत। सूर्यपुर गरनाला सहारा दरवाजा स्थित पुल के नीचे माल से भरा ट्रक फंस गया। बहुत समय तक ट्रक फंसे रहने से न्यू बॉम्बे मार्केट की तरफ से आने वाले वाहनों की लंबी लाइनें लग गई। बहुत मुश्किल के बाद फंसे ट्रक को बाहर निकाला। उसके बाद ट्रैफिक जाम खुला।

ग्रामपंचायतों के परिणाम: भाजपा और कांग्रेस ने किए जीत के दावे

अहमदाबाद (ईएमएस)। राज्य के ग्राम पंचायतों के चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा ने चुनाव परिणामों में 75 से 80 प्रतिशत भाजपा समर्थित सरपंच व सदस्य चुनकर आने का दावा किया है। वहीं कांग्रेस ने भी 70 प्रतिशत कांग्रेस सरपंच व सदस्य चुने जाने के दावा किया है। गुजरात में ग्रामपंचायतो के चुनाव के नतीजे आने के बाद भाजपा के प्रदेश प्रमुख जीतुवाघाणी ने ग्राम पंचायतों में विजयी सरपंचों शुभकामना देते हुए कहा कि चुनाव परिणाम में 75 से 80 फीसदी भाजपा समर्थित सरपंच और सदस्यों ने जीत हासिल की है। ग्राम्य स्तर पर भाजपा की ग्राम्य विकासनीति योजनाओं को जनता ने स्वीकार कर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को जीत दिलाई है। जीतु वाघाणी ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस की नकारात्मकता के बीच भाजपा की शांति, एकता और विकास की भावना को ध्यान में रखते हुए 292 ग्राम पंचायतें समरस हुई है।

चुनाव में विजयी हुए 80 प्रतिशत सरपंच भाजपा समर्थित है। 12386 कुल वार्ड में से 5397 वोर्ड में सरपंच निर्विरोध चुने गए। ग्रामीण जनता ने केन्द्र व राज्य सरकार की ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों की विकास की राजनीति का स्वीकार कर भाजपा के प्रति अपना विश्वास जताकर जनादेश दिया है। और कांग्रेस की विवाद और खंडनात्मक राजनीति को नजरअंदाज किया है। वाघाणी ने सभी मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट करते हुए चुने गए जनप्रतिनिधियों को केन्द्र व राज्य सरकार की सभी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने एवं गांवों को सम्पूर्ण सुखसुविधायुक्त बनाने का अनुरोध किया। ग्राम पंचायतों के चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस विपक्ष नेता परेश धानानी और प्रदेश प्रमुख भरतसिंह सोलंकी ने विजयी सरपंचों को शुभकामना दी। कांग्रेस द्वारा जारी विज्ञप्ति में कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि ग्राम पंचायत के चुनाव में 70 प्रतिशत से अधिक पंचायतों में कांग्रेस समर्थित सरपंच व सदस्य विजयी हुए है।

दो जीप के हुई भिडंत में तीन महिला समेत चार की मौत

बनासकांठा (ईएमएस) । जिले के पालनपुर-अमीरगढ रोड पर डाभेली गांव निकट दो जीप के बीच हुई भिडंत में तीन महिला समेत चार लोगों की गंभीर रुप से घायल होने पर घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि अन्य दस मुसाफिर बच गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक जिले के पालनपुर-अमीरगढ रोड पर डाभेली गांव निकट से गुजर रही जीप की सामने से आ रही अन्य जीप के साथ टकरा गई। हादसा इतना भयंकर था कि जीप में सवार तीन आदिवासी महिला व एक युवक की गंभीर रुप से घायल होने पर मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरी जीप में सवार अन्य दस मुसाफिर बाल-बाल बच गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर राहत व बचाव कार्य शुरु करते हुए मृतकों के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिलाएं और पुरुष आदिवासी श्रमिक होने की जानकारी सामने आई है। अभी मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इस हादसे के हाईवे पर घंटों तक चक्काजाम रहा। चक्काजाम से वाहन चालकों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। हादसे में एक जीप सम्पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com